१५. एक अपूर्व समारोह

राज्याभिषेक क्यों किया ? : रायरेश्वर के मंदिर में शिवाजी महाराज ने स्वराज्य स्थापना की प्रतिज्ञा की थी । स्वराज्य स्थापना के कार्य में उनपर कितने ही संकट आए लेकिन उनमें से शिवाजी महाराज बड़े शौर्य और चतुराई से निकल आए । बाजीप्रभु, मुरारबाजी, तानाजी आदि वीरों ने स्वराज्य के लिए लड़ते-लड़ते अपने प्राण गँवाए । अंत में स्वराज्य का निर्माण हुआ । शत्रुओं पर धाक जम गई ।

इस स्वराज्य को सभी राजा-महाराज मान्यता दें, इसलिए शिवाजी महाराज ने राज्याभिषेक की योजना बनाई । सैकड़ों वर्षों के बाद सभी धर्मों के प्रति समभाव रखने वाले, प्रजा को न्याय और सुख देने वाले राजा ने महाराष्ट्र में जन्म लिया था । स्वराज्य का निर्माण हुआ है; इस बात का पता पूरे संसार को चले इसलिए शिवाजी महाराज ने राज्याभिषेक करवाने का निश्चय किया । उन्होंने यह कार्य अपने सुख अथवा वैभव के लिए नहीं बल्कि स्वराज्य को अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए किया ।

स्वराज्य की राजधानी : शिवाजी महाराज ने राजधानी के लिए रायगढ़ को चुना । रायगढ़ सुदृढ़ किला था । रायगढ़ से स्वराज्य की देखभाल करना सरल था । शत्रु पर निगरानी रखना भी सरल था ।

शिवाजी महाराज ने चिपलूण जाकर अपनी सेना का निरीक्षण किया । प्रतापगढ़ में भवानी माता के दर्शन किए । बड़े भक्तिभाव से उन्हें सोने का छत्र अर्पित किया ।

राज्याभिषेक की तैयारी : राज्याभिषेक के लिए शिवाजी महाराज ने सोने का सिंहासन बनवाया । उसमें बहुमूल्य रत्न जड़वाए । उसपर शुभ्र छत्र लगवाया । राजा-रजवाड़े, विद्वान ब्राह्मण, दरबार के सरदार और कारीगर आदि को निमंत्रण भेजे गए । राज्याभिषेक का पौरोहित्य करने के लिए काशी से गागा भट्ट आए । गागा भट्ट का परिवार मूलतः पैठण का था परंतु वे काशी में स्थायी रूप से रहने लगे थे । वे महान पंडित थे । काशी में उनकी बड़ी प्रतिष्ठा थी । उनकी कीर्ति सर्वत्र फैली हुई थी। शिवाजी महाराज ने राज्याभिषेक की तैयारी यथाशक्ति पूरी की । सप्तगंगा और समुद्र का जल लाने के लिए आदमी भेजे गए । रायगढ़ में लगभग पचास हजार आदमी एकत्र हुए । उनके लिए जगह-जगह तंबू, डेरे और रावड़ियों की भीड़-सी लग गई थी ।

राज्याभिषेक समारोह : राज्याभिषेक का दिन बड़ा मंगलमय था । बाजे बजने लगे । चारण गाने लगे । चारों ओर खुशियाँ छा गईं । शिवाजी महाराज स्वर्ण चौकी पर बैठे । उनपर छत्र, चामर धरे गए । घी, दही, मधु (शहद) के कलश पुरोहितों के हाथों में थे । गागाभट्ट के हाथ में स्वर्ण कलश था । उसमें गंगा, सिंधु, यमुना, गोदावरी, कृष्णा, नर्मदा और कावेरी इन सात नदियों और समुद्र का जल भरा था । गागाभट्ट ने वह कलश शिवाजी महाराज के सिर के ऊपर धरा और वे मंत्र पढ़ने लगे । कलश के सौ छिद्रों द्वारा शिवाजी महाराज पर

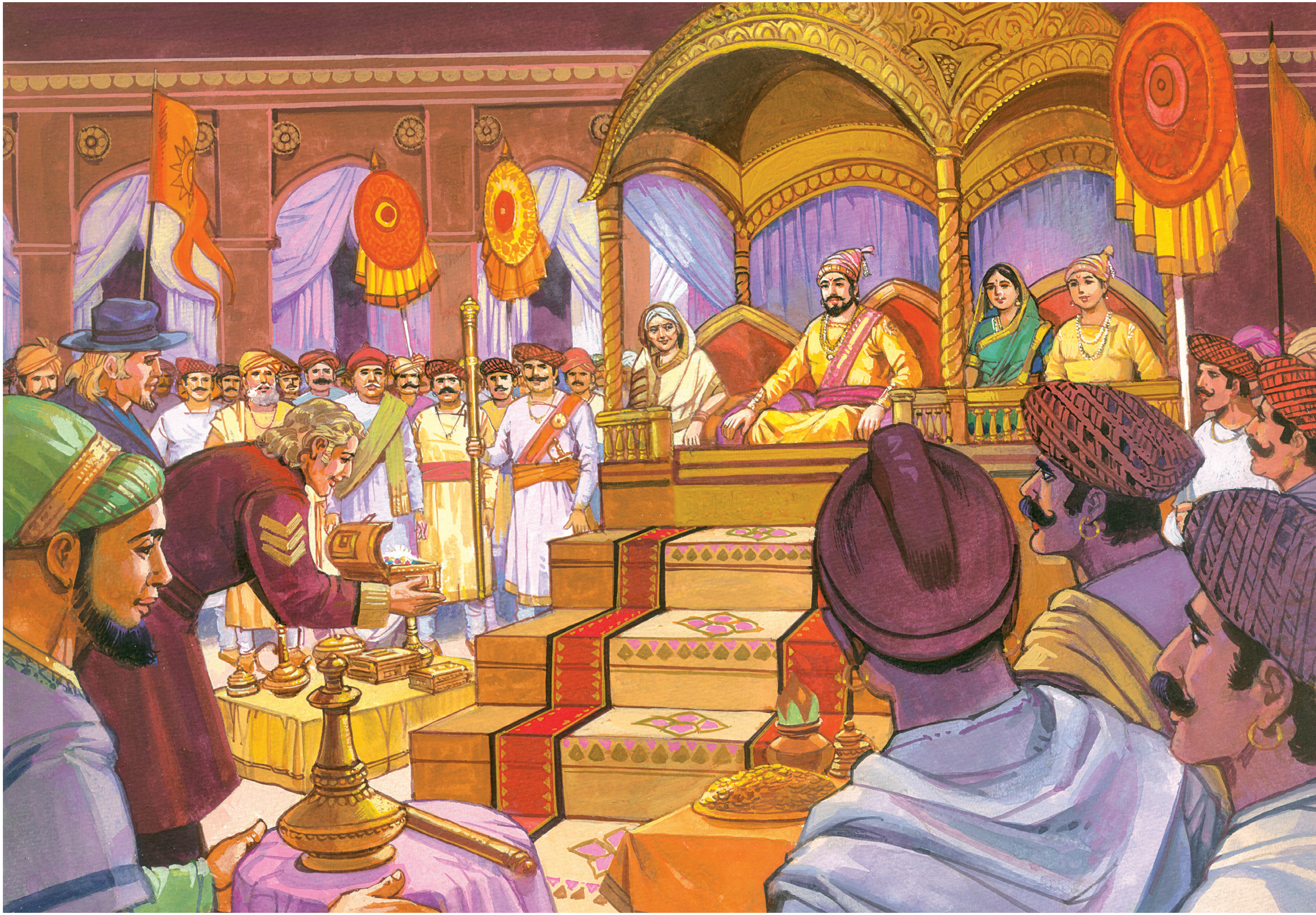

शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक समारोह

जल का अभिषेक हुआ । फिर शिवाजी महाराज उठे और उन्होंने जिजामाता के चरण स्पर्श किए । माँसाहेब ने शिवाजी महाराज को गले लगाया । उनकी आँखों से खुशी के आँसू बहने लगे । तीस वर्षों तक उन्होंने जो कष्ट उठाए, वे आज सफल हुए । शिवबा के जन्म से पूर्व माँ ने जो सपना देखा; वह आज साकार हुआ था । माँ के नेत्रों से आनंदाश्रु झरने लगे । शिवाजी महाराज का भी हृदय उमड़ पड़ा । धन्य माँसाहेब ! धन्य शिवाजी महाराज !

माँसाहेब से भेंट करने के पश्चात शिवाजी महाराज सिंहासन पर बैठे । उनके पास महारानी सोयराबाई और युवराज संभाजीराजे बैठे । उनके दोनों ओर अष्ट प्रधान खड़े हुए । गागाभट्ट ने स्वर्ण मोतियों का झालरदार छत्र महाराज के सिर के ऊपर धरा और जोर से कहा, ''क्षत्रियकुलावतंस सिंहासनाधीश्वर श्री शिवछत्रपति की जय हो ।'' सबने शिवाजी महाराज की जयजयकार की । किलों पर तोपें दागी गईं । संपूर्ण महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज की जयजयकार हुई । इस प्रकार ई.स. १६७४ में शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ । उसी वर्ष से शिवाजी महाराज ने 'राज्याभिषेक' नामक नया 'शक' चलाया । शिवाजी महाराज 'शक कर्ता' राजा बने । उन्होंने अपनी अलग मुद्राएँ ढालनी शुरू कीं । इस समारोह में विभिन्न देशों के राजदूत उपस्थित थे । अंग्रेजों ने ऑक्जिंडेन नाम का अपना राजदूत शिवाजी महाराज को नजराना देने के लिए भेजा था । इस समारोह को देखने के लिए दूर-दूर से लोग इकट्ठे हुए थे । शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक का समाचार सारे विश्व में फैल गया । उनकी कीर्ति का चारों ओर प्रसार हुआ ।

6JXR75

स्वाध्याय

१. कोष्ठक में से उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति करो :

(अ) शिवाजी महाराज ने राजधानी के लिए .... को चुना ।
(सिंहगढ़, रायगढ़, पन्हालगढ़)

(आ) शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक ई.स. .... में हुआ ।
(१६७४, १६७५, १६४७)

२. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक-एक वाक्य में लिखो :

(अ) स्वर्ण कलश में किन नदियों का जल भरा था ?

(आ) शिवाजी महाराज ने राज्याभिषेक के बाद कौन-सा शक चलाया ?

३. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखो :

(अ) शिवाजी महाराज ने राज्याभिषेक करने का निश्चय क्यों किया ?

(आ) शिवाजी महाराज ने राजधानी के लिए रायगढ़ को क्यों चुना ?

(इ) माता जिजाबाई की आँखों से खुशी के आँसू क्यों बहने लगे ?

उपक्रम

(अ) राज्याभिषेक के अवसर पर शिवाजी महाराज द्वारा ढाली गईं मुद्राओं के बारे में अपने शिक्षकों से अधिक जानकारी प्राप्त करो ।

(आ) विभिन्न डाक टिकटों का संग्रह करो और मित्रों की सहायता से कक्षा में उसकी प्रदर्शनी का आयोजन करो ।